सेक्स द्वारा एच0 आई0 वी0 संक्रमण
लेखकः एल्यनॉर टर्नबुल

एच0 आई0 वी0 एक प्रकार का वायरस है जो खून और अन्य शारीरिक द्रव्यो जैसे प्रजनन सम्बंधी द्रव्यो मे पाया जाता है. यह वायरस खून मे पाई जाने वाली सी0डी0 4 कोशिकाओ (जो कि हमारी रोग प्रतिरोधी प्रणाली का हिस्सा है) को संक्रमित करता है. सी0डी0 4 कोशिकाए एच0आई0वी0 की उपस्थिति से कमज़ोर हो जाती है और नई कोशिकाओ की उत्पत्ति नही कर पाती है. यह शरीर की रोग प्रतिरोधी प्रणाली को सुचारू रूप से कार्य नही करने देता है और परिणाम-स्वरूप एच0आई0वी0 संक्रमित व्यक्ति आसानी से रोग और संक्रमण का शिकार हो जाते है और अंततः एड्स से पीड़ित हो जाते है. एच0आई0वी0 संक्रमण का प्रमुख और सर्वाधिक ज्ञात कारण कंडोम जैसे सुरक्षा उपाय के बगैर किया जाने वाली असुरक्षित सेक्स है. एच0 आई0 वी0 संक्रमण के फैलने का प्रमुख कारक लोगो के अनेक लोगो से शारीरिक सम्बंध होना है, क्या अनेक लोग एक ही साथी से सम्बंध बना रहे है, और कंडोम, ड्रग्स और वेश्यावृत्ति आदि के विषय मे उनकी आदते कितनी जोखिम भरी है. एक ही वफादार साथी के साथ शारीरिक सम्बंध रखना ही सबसे सुरक्षित जीवनशैली है.

प्राकृतिक सेक्स से एच0आई0वी0 संक्रमण

एच0आई0वी0 संक्रामित व्यक्तियो के प्रजनन द्रव्यो मे पाया जाता है; एच0आई0वी0 उन द्रव्यो मे पाया जाता है जो कि पुरुष और महिला के जननांगो से समागम के पहले और उसके दौरान निकलते है और सेक्स की क्रिया को सुलभ बनाते है. एच0आई0वी0 संक्रमण तब होता है जब यह द्रव्य किसी अन्य व्यक्ति के खून के सम्पर्क मे आता है, उदाहरण के लिये यदि एक एच0आई0वी0 संक्रमित पुरुष एक महिला से कंडोम के बिना समागम करता है तो संक्रमित द्रव्य महिला के शरीर पर किसी भी चोट या घाव से होकर उसके रक्तप्रणाली मे प्रवेश कर सकता है. यह चोट या घाव इतने छोटे हो सकते है कि आखों से दिखायी भी न दे और शायद महिला को इनके विषय मे जानकारी भी न हो. यदि एक एच0आई0वी0 संक्रमित महिला बिना कंडोम के सेक्स करती है तो एच0आई0वी0 पुरुष के गुप्त अंग पर कटने या छिलने से लगी किसी चोट के माध्यम से रक्तप्रणाली मे प्रवेश कर सकता है. संक्रमण का खतरा तब और बढ जाता है जब महिला अपने मासिक धर्म मे हो, ऐसे मे गर्भाषय मे रक्त के होने के कारण रक्त के सम्पर्क मे आने की और संक्रमण की सम्भावना बढ जाती है [1].

असुरक्षित सेक्स के दौरान महिला के संक्रमित होने की अधिक सम्भावना होती है क्योकि महिलाओ के जननांग पुरुषो के जननांगो की तुलना मे बड़े होते है और वीर्य मे, गर्भाषय द्रव्यो की तुलना मे एच0आई0वी0 की मात्रा अधिक होती है और सेक्स के दौरान वीर्य अधिक मात्रा मे उत्पन्न होता है [2]. कुछ परम्पराये जैसे महिलाओ के प्रजनन अंगो का काटना, उनहे गंदे काटने के यंत्रो के कारण अथवा घाव के ठीक होने से पहले सेक्स करने के कारण अधिक खतरे मे डाल देती है. महिलाओ मे अक्सर सेक्स क्रिया से हुये संक्रमण के लक्षण खुले घावों के रुप मे देखे जा सकते है; ऐसे खुले घाव जिनके

---

[1] एवर्ट - क्या आपको इससे एड्स हो सकता है... **http://www.avert.org/howcan.htm**

[2] सेक्स से एच0आई0वी0 संक्रमण : **http://www.engenderhealth.org/res/onc/hiv/transmission/index.html**

सेक्स के दौरान रक्त के सम्पर्क मे आने से एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना बढ जाती है. युवतियो मे सेक्स के दौरान संक्रमण की सम्भावना अधिक होती है क्योकि जननांगो की त्वचा अविकसित और कोमल होती है; ऐसे मे के कारण प्रजनन अंगो पर चोट और रग़ड़ लगने से वायरस का प्रवेश सरल हो जाता है.

अप्राकृतिक सेक्स से एच0आई0वी0 संक्रमण

दो पुरुषो मे अथवा एक पुरुष और एक महिला के बीच असुरक्षित (बिना कंडोम के) अप्राकृतिक सेक्स (मल-मार्ग से सेक्स), प्राकृतिक सेक्स की तुलना मे एच0आई0वी0 संक्रमण मे अधिक घातक हो सकता है, क्योकि मल-मार्ग की आंतरिक त्वचा, गर्भाषय की आंतरिक त्वचा की तुलना मे कोमल होती है जिससे सेक्स के दौरान चोट और रगड़ की सम्भावना बढ जाती है. इससे एच0आई0वी0 सक्रमित पुरुष के वीर्य से वायरस सरलता से चोट से होकर उसके साथी की रक्त-प्रणाली मे पहुच सकता है.

मौखिक सेक्स से एच0आई0वी0 संक्रमण

प्राकृतिक और अप्राकृतिक सेक्स की तुलना मे संक्रमित व्यक्ति से मौखिक सेक्स द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना बहुत कम होती है, [3]किंतु संक्रमण फिरभी सम्भव है और ऐसा करना सम्पूर्णत्या सुरक्षित नही है. इस क्रिया के दौरान वह व्यक्ति जो अपने मुंह का प्रयोग, दूसरे साथी के गुप्तांगो पर कर रहा हो, वह आसानी से संक्रमण का शिकार हो सकता है; यह खतरा तब और बढ जाता है जब वह व्यक्ति अपने मुंह मे वीर्य या अन्य प्रजनन द्रव्य आने देता है यद्यपि ऐसे उदाहरण भी उपलब्ध है जहां द्रव्य के बिना भी संक्रमण हुआ है [4]. एक बार संक्रमित द्रव्य मुंह मे पहुचने के बाद, वायरस मुंह के अंदर मौजूद छालों से होते हुए रक्त मे पहुच जाता है. अंतत: एच0आई0वी0 संक्रमण किसी व्यक्ति के मुंह मे मौजूद छालो, अस्वस्थ्य मसूड़ो, गुप्तांगो पर छालों अथवा अन्य किसी सेक्स संक्रामक रोग के लक्षणो (जो कि अनय प्रकार के लक्षणो का भी कारण होते है जैसे मुंह के छाले), से भी आसानी से फैलता है. केवल मौखिक सेक्स से संक्रमण का होने होने की सम्भावना बहुत ही कम है, फिरभी बचाव के लिये कुछ सावधानी की आवश्यक्ता है, जैसे पुरुष मौखिक सेक्स के दौरान कंडोम का प्रयोग कर सकते है और महिलाये अपने अंगो को प्लास्टिक अथवा रबर से ढक सकती है, जिससे दूसरे साथी को संक्रमण ना हो.

महिलाये मे वैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक कारणो से एच0आई0वी0 संक्रमण का खतरा और बढ जाता है; वैज्ञानिक कारणो का उल्लेख तो पहले हो चुका है और इनसे बचाव के लिये कंडोम का निरंतर और सही उपयोग, और सेक्स संक्रामक रोगों के लिये उचित स्वास्थ्य सेवा, कारगर उपाय है. किंतु लिंग भेद से उपजे सामाजिक कारणो का निवारण अत्यंत कठिन है क्योकि संक्रमण केवल महिला के स्वभाव के कारण नही होता किंतु उसके साथी के स्वभाव पर निर्भर करता है. जैसे आमतौर पर महिलाओ से यह अपेक्षा की जाती है कि वह केवल एक ही पुरूष के साथ सम्बंध बनायेंगी, किंतु पुरुषो के लिये

---

[3] रोग बचाव केंद्र (2000) सेक्स द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण से बचाव, वह वायरस जो एड्स का कारण है. मौखिक सेक्स के विषय मे आपको क्या जानना चाहिये?

[4] सेक्स से एच0आई0वी0 संक्रमण: **http://www.engenderhealth.org/res/onc/hiv/transmission/index.html**

अनेक साथियो से अथवा वेश्याओ से सम्बंध स्वीकार्य है. महिलाये अक्सर हिंसा, त्याग दिये जाने या आर्थिक कमज़ोरी के कारण परिवार मे कंडोम के प्रयोग और वफादारी जैसे महत्वपूर्ण विषयो पर निर्णायक भूमिका नही निभा पाती है और इसी कारण वह अपने पति से संक्रमण के जोखिम मे रहती है. इसके अतिरिक्त आर्थिक कमज़ोरी बहुत महिलाओ को संक्रमण के खतरे की ओर धकेल देती है और उन्हे वेश्यावृत्ति और/अथवा खाने, घर और सुरक्षा जैसी मूलभूत आवश्यक्ताओ[5] के लिये अनेक साथियो से सम्बंध बनाने पड़ते है. सेक्स कर्मियो मे आमतौर पर संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है, विशेषत: तब जब वह अपने ग्राहको से कंडोम के प्रयोग पर दबाव नही डाल पाती अथवा जहां व्यापारिक वेश्यावृत्ति गैरकानूनी होती है.

बचाव के उपाय

कंडोम

रबर के कंडोम, यदि निरंतर और सही रूप से प्रयोग किये जाये तो एच0आई0वी0 का संक्रमण रोकने मे बहुत उपयोगी होते है. कंडोम पुरुष के शिष्न को ढंक देता है और वीर्य और अन्य प्रजनन द्रव्यो को मिलने नही देता, जिससे सेक्स द्वारा एच0आई0वी0 और गोनोरिया, क्लामाइडिया, ट्रिकोमोनियसिस जैसे अन्य सेक्स संक्रामक रोग नही फैलते है. कंडोम जननांगो के अन्य रोगो जैसे हर्पीस, सिफिलिस, कंक्रॉइड, पैपिलोमावायरस आदि से भी बचाता है, जो कि संक्रमित त्वचा के सम्पर्क मे आने से फैलते है. यह कई बार प्रमाणित किया जा चुका है कि सेक्स संक्रामक रोगों विषेशत: अल्सर वाले रोगों के होने पर एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना बढ जाती है[6]; कंडोम ऐसे मे दुहरी भूमिका निभाता है, सर्वप्रथम इससे सेक्स सम्बंध मे एच0आई0वी0 संक्रमण नही होता है और दूसरा, यह उन सेक्स संक्रामक रोगो से भी बचाता है जो एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना बढाते है. दूसरा यह भी ध्यान मे रखना चाहिये कि कंडोम का प्रयोग हर बार सेक्स के समय सही रूप से किया जाना चाहिये क्योकि एच0आई0वी0 संक्रमण एक बार मे भी हो सकता है. कोई भी सुरक्षा उपाय 100% सुरक्षित नही होता है और कंडोम भी सेक्स संक्रामक रोगो (एच0आई0वी0 सहित) से सुरक्षा नही प्रदान करता है.

सेक्स संक्रमण के उपचार

जैसा कि पहले भी बताया जा चुका है कि दूसरे संक्रमण की उपस्थिति मे, विषेशकर अल्सर वाले संक्रमण जिनमे रोगी को खुले घाव हो जाते है, उनसे रोगी को अथवा उसके साथी को एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना बढ जाती है. कंडोम का सही और निरंतर प्रयोग भविष्य मे सेक्स संक्रामक रोगो से बचाव करता है किंतु जो लोग एक से अधिक साथियो से सेक्स सम्बंध बनाते है उनके लिये यह अत्यंत आवश्यक है कि वह नियमित रूप से अपने स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र मे सेक्स संक्रामक रोगो की जांच और उपचार करवाये.

लिंग़ परिच्छेदन

---

[5] एच0आई0वी0 3: महिलाओ को जोखिम: http://www.engenderhealth.org/res/onc/hiv/transmission/hiv3p6.html

[6] रोग बचाव केंद्र. जनता के स्वास्थ्य सम्बंधित तथ्य: पुरुष कंडोम और सेक्स संक्रामक रोग.

गहन शोध के बाद पाया गया है कि यदि स्वच्छ वातावरण मे किया जाये तो पुरुष लिंग परिच्छेदन (गुप्तांग के आगे की अतिरिक्त त्वचा को काटने की क्रिया), पुरुषो मे महिला के साथ सेक्स क्रिया, द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना को आधा कर देता है. लिंग परिच्छेदन के इस लाभ की अनेक कारण हो सकते है. गुप्तांग के आगे की अतिरिक्त त्वचा मे नमी बनी रहती है जिसमे गुप्तांग के सबसे कोमल भाग के साथ एच0आई0वी0 अधिक समय तक जीवित रहता है, और त्वचा की भीतरी सतह पर मौजूद कोशिकाओ मे एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना अधिक होती है. यदि अतिरिक्त त्वचा हटा दी जाये तो गुप्तांग का आगे का भाग कथोर हो जाता है जिससे संक्रमण आसानी से नही होता है. साथ ही अतिरिक्त त्वचा मे सेक्स के दौरान खिचाव से छोटे घाव हो सकते है जिनसे होकर वायरस आसानी से शरीर मे प्रवेश कर सकते है[7].

किंतु लिंग परिच्छेदन का सुझाव देने मे बहुत सी समस्याये है, सबसे बड़ी समस्या यह है कि लोगो को लिंग परिच्छेदन की सुरक्षा पर इतना विश्वास हो जायेगा कि वह सेक्स मे अधिक जोखिम भरा व्यवहार करने लगेंगे. जिन पुरुषो का लिंग परिच्छेदन किया जा चुका है, वह वेश्याओ के पास जाने और कंडोम का प्रयोग बंद करने को तैयार रहते है; यदि लम्बे समय तक प्रयोग किये जाये तो कंडोम एच0आई0वी0 संक्रमण रोकने मे 80% सक्षम है[8], जहां लिंग परिच्छेदन केवल 50% मामलो मे ही संक्रमण रोकता है. साथ ही अस्वच्छ वातावरण (जैसे गंदे औज़ार से) मे किये गये लिग परिच्छेदन के कारण अधिक रक्त-स्राव और गुप्तांग को हानि पहुचा सकता है और इससे एच0आई0वी0 संक्रमण भी हो सकता है. साथ ही यदि घाव को भरने न दिया गया तो घाव के कारण एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना बढ जाती है. लिंग परिच्छेदन उन समुदायो के लिये आदर्श उपाय है जहां कंडोम उपलब्ध नही है और जहां यह सरलता और स्वच्छता से किया जा सके.

निष्कर्ष

सेक्स द्वारा एच0आई0वी0 संक्रमण, अन्य कारको की तुलना मे सबसे कम होता है, किंतु यह वायरस एड्स का कारण है इसलिये सभी प्रकार के संक्रमण को रोकना होगा और अंततः समाप्त करना होगा. प्रमुख संदेश यह है कि यदि हर सेक्स सम्बंध से कंडोम न प्रयोग किया जाये, चाहे वह प्राकृतिक, अप्राकृतिक अथवा मौखिक सेक्स हो, एच0आई0वी0 संक्रमण की सम्भावना बनी रहती है. यह सम्भावना तब बढ जाती है जब आप किसी ऐसे के साथ बिना कंडोम के सेक्स करते है जिसके अनेक लोगो के साथ सेक्स सम्बंध हो, जैसे वेश्याये (पुरुष या महिला) अथवा ऐसे लोग जो ग़ैर-कानूनी नशीले पदार्थो के इंजेक्शन लेते हो. अंत मे, किसी भी सेक्स संक्रामक रोग, विषेशकर अल्सर वाले रोगो के कारण एच0आई0वी0 संक्रमण आसान हो जाता है; इसलिये सेक्स संक्रामक रोगो की जांच और उपचार को नही भूलना चाहिये.

---

[7] एवर्ट: पदार्थो और एच0आई0वी0, NIAID से अवतरित (13 दिसम्बर 2006), "प्रश्न और उत्तर: केन्या और युगांडा मे NIAID प्रायोजित पुरुष लिंग परिच्छेदन के प्रयास"

[8] NIAID (13 दिसम्बर 2006), " वयस्क पुरुष लिंग परिच्छेदन एच0आई0वी0 संक्रमण के जोखिम को कम करता है: केन्या और युगांडा के प्रयास जल्दी समाप्त हो गये "